Syllabus

M.A. Hindi

(With effective from 2021-2022)

Under Choice Based Credit System

with

Semester Pattern

P.G. DEPARTMENT OF HINDI
MAHARAJA SRIRAM CHANDRA BHANJADEO UNIVERSITY
TAKATPUR, BARIPADA-757003

M.A. IN HINDI EXAMINATION

Semester system

एम.ए. परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम में कुल 18 प्रश्न-पत्र हैं तथा 1 संगोष्ठी (Seminar) है। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के कुल 100 अंक निर्धारित हैं, उनमें से 80 अंक विश्वविद्यालय परीक्षा एवं 20 अंक आंतरिक परीक्षा के लिए निर्धारित है। 1 संगोष्ठी के लिए क्रमशः 100 अंक निर्धारित है।

प्रश्न-पत्रों को कुल चार सत्रों में विभाजित किया गया है। प्रथम सत्र में पहले प्रश्न-पत्र से पांचवें प्रश्न-पत्र तक, द्वितीय सत्र में छठे प्रश्न-पत्र से दसवें प्रश्न-पत्र तक, तृतीय सत्र में ग्यारहवें प्रश्न-पत्र से चौदहवें प्रश्न-पत्र तक तथा चौथे सत्र में पंद्रहवें प्रश्न-पत्र से अठारहवें प्रश्न-पत्र तक है।

चौथे सत्र में एक संगोष्ठी आलेख (Seminar Paper) प्रस्तुत करने के लिए रखा गया है।

प्रश्न-पत्र(HN-506) विशिष्ट प्रश्न-पत्र (Special Paper) है।

Programme outcome:

साहित्य समाज का दर्पण होने के नाते समाज में घटित हर एक घटनाओं का उद्घाटन साहित्य के द्वारा होता है। साहित्य अध्ययन से उन घटनाओं को समझने की सूक्ष्म दृष्टि पाना संभव होगा। हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर समाप्त होने के पश्चात छात्र समाज को सार्वभौम मानक पर तौलने में सक्षम होंगे। इसके अतिरिक्त हिंदी भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है अतः हिंदी सीखना छात्रों के लिए आवश्यक हो जाता है। हिंदी में स्नातकोत्तर अध्ययन समाप्ति के पश्चात छात्र सहजता से हिंदी भाषा को आत्मसात कर सकेंगे और अन्य भाषाओं के प्रति अनुराग उत्पन्न होगा।

Programme Specific Outcome:

भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से हिंदी भाषा का महत्व, प्राचीनता, स्वतंत्रता को उद्धृत करते हुए साहित्य के विभिन्न स्तरों को पहचानकर हिंदी भाषा की समृद्ध शक्ति और सामर्थ्य को छात्रों तक पहुंचाना पाठ्यक्रम का स्वतंत्र उद्देश्य है। इसके अलावा 'वसुधैवकुटुंबकम्' की सार्थकता हेतु अवसर प्रदान करने के लिए अनुवाद, तुलनात्मक साहित्य तथा प्रयोजन मूलक हिंदी को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है।

P.G. DEPARTMENT OF HINDI
SYLLABUS

SEMESTER - I

Course code	Course Title	Credit	Marks		Total
			Internal	Semester	
HN - 401	हिन्दी साहित्य का इतिहास:आदिकाल से भक्तिकालतक	5	20	80	100
HN -403	प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन काव्य	5	20	80	100
HN - 405	भारतीय काव्य शास्त्र	5	20	80	100
HN -407	भाषा वविज्ञान	5	20	80	100
HN - 409	हिन्दी उपन्यास	5	20	80	100
	Total	25	100	400	500

SEMESTER –II

Course Code	Course Title	Credit	Mark		Total
			Internal	Semester	
HN - 402	साहित्य का इतिहास: रीति एवं आधुनिक काल	5	20	80	100
HN - 404	मध्यकालीन काव्य	5	20	80	100
HN - 406	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	5	20	80	100
HN - 408	हिन्दी नाटक	5	20	80	100
HN - 410	हिन्दी कहानी	5	20	80	100
HN - 412	Open – Elective (हिन्दी कहानी)	5	20	80	100
	Total	30	120	480	600

SEMESTER –III

Course Code	Course Title	Credit	Mark		Total
			Internal	Semester	
HN - 501	आधुनिक हिन्दी गद्य विधाएं	5	20	80	100
HN - 503	हिन्दी भाषा	5	20	80	100
HN - 505	आधुनिक हिन्दी काव्य	5	20	80	100
HN - 507	प्रेमचंद	5	20	80	100
HN - 509	हिन्दी पत्रकारिता	5	20	80	100
	Total	25	100	400	500

SEMESTER – IV

COURSE CODE	Course Title	Credit	Mark		Total
			Internal	Semester	
HN - 502	हिन्दी आलोचना	5	20	80	100
HN -504	प्रयोजनकमूलक हिन्दी	5	20	80	100
HN – 506	अनुवाद	5	20	80	100
HN - 508	Dissertations	5	---	100	100
	Total	20	60	340	400
GRAND TOTAL.		**100**			**2000**

SEMESTER-1

PAPER-I (HN-401)

हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से भक्तिकाल तक

Course Objectives:

हिन्दी साहित्य के सौन्दर्य, कला तथा वैचारिक लूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न युगों के महान साहित्यकारों के जीवन और रचना कर्म के बारे में अध्ययन किया जाएगा।

Contents

Unit-1: हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियां, हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहासग्रंथ।

Unit-2: हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकाल एवं भक्तिकालका उद्भव और विकास, प्रमुखप्र वृत्तियां

Unit-3: कबीर और जायसी, ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी भक्तिधाराकी विशेषताएं।

Unit- 4: सूर और तुलसी, कृष्ण और रामभक्ति धाराकी विशेषताएं।

Course Outcome:

छात्रोंको हिंदी साहित्यसे संबंधित जानकारी मिलसकेगी। हिंदी साहित्य इतिहास लेखन परंपरा के बारेमें छात्र अवगत होसकेंगे। हिंदी साहित्य इतिहाससे जुड़े कालविभाजन को छात्र समझसकेंगे। आदिकाल और भक्तिकालके मध्यस्थित सामंजस्यको छात्र समझपाएंगे। आदिकाल और भक्तिकालके कवियोंके बारेमें तुलनात्मक दृष्टिकोण छात्रोंमें उत्पन्न होसकेगी।

Reference Books:

1. हिंदी साहित्यका इतिहास– आ.रामचंद्रशुक्ल, लोक भारती प्रकाशन हिंदी साहित्यकी भूमिका– आ.हजारी प्रसादद्विवेदी,राजकमल प्रकाशन
2. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास– आ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती प्रकाशन
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास– बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन

PAPER-II (HN-403)

प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन काव्य

Course Objectives:

विद्यार्थीयों में सौन्दर्यानुभूति कि भावना का विकाश होगा। विद्यार्थीयों में कवि भावों के विचारों एवं प्रतिपादन शैली का ज्ञान प्राप्त होगा। विद्यार्थी प्राचीन तथा मध्ययुग की भाषा से अवगत होंगे।

Contents

Unit-1 : पृथ्वीराजरासो- चंदवरदाई, सं. आचार्यरामचंद्रशुक्ल (शशिव्रतासमय- 1से25पद)

Unit-2 : विद्यापति- वसंतमिलन, विद्यापति- डॉ. शिवप्रसादसिंह

Unit-3: जायसीग्रंथावली- सं. आचार्यरामचंद्रशुक्ल (नागमतीवियोगखंड

Unit-4 : सूरदास (भ्रमर गीत) सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (पद-21से50 तक)

Course Outcome

छात्र हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन काव्य को समझसकेंगे। उन कविताओं में स्थित भावों को आत्मसातकर सकेंगे। रासोकाव्य और भक्तिकाव्य को लेकर आलोचनात्मक दृष्टिकोण छात्रोंमें विकसित होगी।

Reference Books:

1. पृथ्वीराजरासो की भाषा- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
2. विद्यापति- शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन
3. विद्यापति पदावली- रामवृक्षबेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन
4. जायसी- विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकाडेमी
5. जायसी ग्रंथावली- आ. रामचंद्र शुक्ल
6. सूर साहित्य- आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन

PAPER-III (HN-405)

भारतीय काव्यशास्त्र

Course Objectives:

विद्यार्थीयों को भारतीय काव्यशास्त्र के स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य लक्षण तथा काव्य हेतु आदि सम्बधि ज्ञान प्राप्त होगी।

Contents

Unit-1: काव्य शास्त्र का इतिहास (संक्षिप्त परिचय), काव्य की परिभाषा एवं भेद, काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।

Unit-2: रससिद्धांत- रस का स्वरूप, रस के अंग और प्रमुख भेद।

Unit-3: अलंकारसिद्धांत- अलंकार की अवधारणा, मूलस्थापनाएं, प्रमुख अलंकारों का वर्गीकरण, रीति सिद्धांत- रीति की अवधारणा, मूलस्थापनाएं, रीति का वर्गीकरण।

Unit-4: ध्वनिसिद्धांत- प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनिकाव्य के भेद, शब्दशक्तियां। वक्रोक्ति सिद्धांत- वक्रोक्ति की अवधारणा, मूलस्थापनाएं, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, औचित्यसिद्धांत- मूलस्थापनाएं, औचित्य के भेद।

Course Outcome

छात्र भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय पासकेंगे। छात्र भारतीय काव्य शास्त्र के इतिहास को समझपाएंगे। काव्य में निहित विभिन्न तत्वोंका ज्ञान पासकेंगे। किसी काव्य को पढ़ते हुए उसकी आलोचनात्मक समीक्षा करने में छात्र सक्षम होंगे

Reference Books:

1. रस मीमांसा- आ.रामचंद्रशुक्ल, नागरी प्रचारिणीसभा
2. भारतीयकाव्यशास्त्र की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंगहाउस
3. भारतीयकाव्यशास्त्र के नए क्षितिज- राममूर्तित्रिपाठी, राजकमलप्रकाशन
4. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालयप्रकाशन
5. ध्वनिसंप्रदायऔर उनकेसिद्धांत- भोलाशंकरव्यास, चौखंबाप्रकाशन

PAPER-IV (HN-407)

भाषा विज्ञान

Course Objectives:

छात्रों को शुद्ध बोलने तथा शुद्ध लिखने का ज्ञान प्राप्त होगा। छात्रों भाषा, ध्वनी, वाक्य, अर्थ सम्बधि ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

Contents

Unit-1: भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रकृति, भाषा के प्रमुख अंग, भाषा के विविध रुप, भाषा का विकास और उसके प्रमुख कारण।

Unit-2: भाषाविज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, भाषाविज्ञान के प्रमुख अंग, भाषाविज्ञान की प्रमुख अध्ययन पद्धतियां, भाषाविज्ञान का अन्यशास्त्रों से संबंध।

Unit-3: ध्वनिविज्ञान- वागयंत्रों का परिचय, ध्वनियों का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन ध्वनियां, अंतरराष्ट्रीयध्वनिलिपि।

Unit-4: वाक्यविज्ञान- वाक्य की परिभाषा और उसके प्रकार, वाक्यरचना परिवर्तन, कारण एवं दिशाएं| अर्थविज्ञान- अर्थ की अवधारणा,अर्थपरिवर्तन की दिशाएं।

Course Outcome:

भाषा विज्ञान से संबंधित ज्ञान पाने के उपरांत छात्र, भाषा की संरचना, भाषा संप्रेषण की कला, शुद्ध उच्चारण करने की दक्षता पासकेंगे। विभिन्न भाषाओं में स्थित आंतरिक संबंध को खोजपाने में छात्र सक्षम होसकेंगे। भाषा में स्थित आंतरिक शक्ति का ज्ञान छात्रों को मिलसकेगा।

Reference Books:

1. भाषा-विज्ञानकी भूमिका- देवेंद्रनाथशर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन
2. भाषा-विज्ञान- भोलानाथतिवारी, किताब महल
3. सामान्यभाषा-विज्ञान- बाबूरामसक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4. भाषा-विज्ञानएवंभाषा शास्त्र- डॉ. कपिलदेवद्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
5. भाषा और समाज- रामविलासशर्मा, राजकमल प्रकाशन

PAPER-V (HN-409)

हिंदी उपन्यास

Course Objectives

मानव जीवन की विभिन्न परिस्थितियों एवं विभिन्न मानसिक अवस्था को विद्यार्थी अनुभब कर पाएगें। मनोवैज्ञानिक विश्लेषण द्वारा मानव मन का गहन अध्यन और व्याख्या करने में सक्षम होगें।

Contents

Unit-1: उपन्यास सिद्धांत- परिभाषा एवं स्वरूप, उपन्यास के प्रकार

Unit-2: गोदान- प्रेमचंद

Unit-3:आपकाबंटी- मन्नू भंडारी

Unit-4: पचपनखं भे लालदीवारें-उषा प्रियवंदा

Course Outcome:

छात्रों को उपन्यास विधाकातात्विक परिचय मिलसकेगा। उपन्यास विधाके विकास की जानकारी मिलसकेगा। हिंदी उपन्यास विधाकी विविध प्रवृत्तियों से छात्र अवगत सकेंगे। हिंदी उपन्यास विधामें अभिव्यक्त मान वीयचेतना को समझपाएंगे। छात्रों में उपन्यास साहित्यका अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता विकसितहोगी।

Reference Books:

1. उपन्यासऔर लोक जीवन- राल्फफाक्स,संवाद प्रकाशन
2. हिंदी उपन्यास का विकास- मधुरेश, सुमित प्रकाशन
3. हिंदी उपन्यास का इतिहास- गोपालराय, राधाकृष्ण प्रकाशन

SEMESTER-2

PAPER-VI (HN-402)

साहित्य का इतिहास: रीतिकाल एवं आधुनिक काल

Course Objective

आधुनिक हिन्दी साहित्य के राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक परिस्थितियों को जान सकेगें। आधुनिक साहित्य के प्रतिनिधि और प्रसिद्ध रचनाकारों तथा उनके रचनाओं का प्रभाव, महत्व को समझ सकेगें।

Contents:

Unit-1: रीति काल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रमुख काव्य धाराएं और उनकी काव्य गतविशेषताएं

Unit-2: सन 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मंडल, 19 वी. शताब्दी की प्रमुख हिन्दीपत्र-पत्रिकाएं, भारतेन्दु युगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएं।

Unit-3: महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनकायुग, सरस्वती और हिंदी नवजागरण, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, प्रमुख कवि और उनकी विशेषताएं।

Unit-4: प्रमुख गद्य विधाओं का विकास-आलोचना, निबंध, संस्मरण, जीवनी और आत्मकथा।

Course Outcome:

छात्रों को रीतिकाल एवं आधुनिक काल का परिचय मिलसकेगा। रीतिकाल एवं आधुनिक काल के कवियों की काव्यगत विशेषताओं से छात्र परिचित हो सकेंगे। आधुनिक काल के सभी काव्यान्दोलन के बारे में ज्ञानमिलसकेगा। विभिन्न काव्यान्दोलनों के पीछे छिपे दर्शनोंको छात्र समझसकेंगे।

Reference Books:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ.रामचंद्रशुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
2. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास- आ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी साहित्यऔर संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
4. हिंदी साहित्य का इतिहास- संपादकडॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन
5. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- लक्ष्मी सागर वाष्णेय, हिंदी साहित्य सम्मेलन

7. हिंदी का गद्य साहित्य- रामचंद्रतिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
8. इतिहास और आलोचना- नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन
9. साहित्य और इतिहासदृष्टि- मैनेजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन

PAPER-VII (HN-404)

मध्यकालीन काव्य

Course Objective

मध्यकानीन हिन्दी साहित्य के विविध प्रवृति, भाषा और भावों को जान पाएगें।

Contents

Unit-1: बिहारीरत्नाकर- जगन्नाथ दास रत्नाकर(1से40दोहे)

Unit-2: घनानंदकवित्त- सं. विश्वनाथ प्रसादमिश्र(1से15पद)

Unit-3: रहीम ग्रंथावली (1से30पद)

Unit-4:रसखान ग्रंथावली (1से30पद)

Course Outcome:

छात्रों में मध्यकालीन कविताओं की समझ विकसित होसकेंगी। मध्यकालीन कविताओं में निहित मानवीय दृष्टिकोण को छात्र आत्मसात करसकेंगे। मध्यकालीन कवियों के बारे में तुलनात्मक एवं समीक्षात्मक दृष्टि उत्पन्न होसकेगी।

Reference Books:

1. रीतिकाल की भूमिका- नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंगहाउस
2. बिहारीका नया मूल्यांकन- बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन
3. घनानंद और स्वच्छंद कव्यधारा- मनोहर लालगौड़, नागरी प्रचारिणी सभा
4. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना- बच्चन सिंह,नागरी प्रचारिणी सभा

PAPER-VIII (HN-406)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Objective

विद्यार्थी समग्र पाश्चात्य जगत के साहित्य चिन्तन का अध्ययन कर पाएगें।

Contents

Unit-1: पाश्चात्य काव्य शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास

Unit-2: प्लेटो के काव्य संबंधी विचार, अरस्तू–अनुकरण, त्रासदी और विरेचन सिद्धांत

Unit-3: लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा वड्सवर्थ –काव्य भाषा का सिद्धांत को लरिज – कल्पना और फैंटेसी मैथ्यूअर्नाल्ड के काव्यसिद्धांत

Unit-4: टी.एस. इलियट –परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत आई.ए.रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धांत, संवेग सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत आधुनिक समीक्षा की प्रमुख अवधारणाएं – मार्क्सवाद, शास्तीयतावाद,स्वच्छंदतावाद

Course Outcome:

छात्रों को पाश्चात्य काव्य शास्त्र का परिचय मिलसकेगा। छात्रों को पाश्चात्य काव्य शास्त्र के विकास क्रम का परिचय प्राप्त होसकेगा। छात्रों को पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान होसकेगा। छात्र साहित्य शास्त्रीय समीक्षा के बारे में अवगत होसकेंगे। छात्रों को नई समीक्षा के सिद्धांतों का ज्ञान मिलसकेगा। साहित्य शास्त्रीय अध्ययन के द्वारा छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होसकेंगी।

Reference Books:

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र- देवेंद्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र: इतिहास, सिद्धांत और वाद- भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन- निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन
4. नई समीक्षा के प्रतिमान- निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन
5. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द- बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन

PAPER–IX (HN-408)

हिंदी नाटक

Course Objectives

विद्यार्थीयों को हिन्दी नाटक के स्वरूप, तत्व, भाषा शैली आदि का ज्ञान प्राप्त होगा। नाटक के माध्यम से बिभिन्न परिस्थिति और समस्या का ज्ञान प्राप्त होगा।

Contents

Unit-1: हिंदीनाटक: परिभाषाएवंस्वरूप, प्रकार, नाट्यकला।

Unit-2: अंधेरनगरी-भारतेन्दुहरिश्चन्द्र

Unit-3: स्कंदगुप्त-जयशंकर प्रसाद

Unit-4: आधे- अधूरे-मोहन राकेश

Course Outcome

हिंदी नाटक विधा का परिचय छात्र प्राप्त करसकेंगे। छात्र हिंदी नाटक की विकास परंपरा को जानसकेंगे। नाटकों में उठाए गए समस्याओं को छात्र समझसकेंगे। नाटककारों को लेकर छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न होसकेंगी।

Reference Books:

1. हिंदीनाटक: उद्भव और विकास- दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस
2. पहला रंग- देवेंद्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन
3. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना- गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी
4. मोहनराकेश- आभा गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन

PAPER-X (HN-410)

हिंदी कहानी

Course Objectives

कहानी पढने से विद्यार्थीयों में साहित्य के प्रति रूचि विकसित हो पाएगा। साथ ही सृजनात्मक शक्ति बढेगा।

Contents

Unit-1: हिंदी कहानी – परिभाषा एवं स्वरूप, कहानी के प्रकार, कहानी कला।

Unit-2: उस ने कहाथा – चंद्रधर शर्मागुलेरी, कानोंमेंकंगना- कनों मेंकंगना- राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह

Unit-3: पाजेब- जैनेन्द्र कुमार चीफकीदावत – भीष्म साहनी

Unit-4: परिंदे – निर्मल वर्मा, अपना रास्ता लो बाबा-काशीनाथ सिंह

Course Outcome

छात्रों को हिंदी कहानी विधा का तात्विक परिचय मिलसकेगा। कहानी विधा के स्वरूप के बारे में छात्र ज्ञान प्राप्त करसकेंगे। हिंदी कहानी की विकास परंपरा को छात्र समझ सकेंगे। हिंदी कहानी के प्रकारों के बारे में जानकारी मिलसकेगी। कहानीकारोंकों आपस में तुलना करके देखने की क्षमता छात्रों में उत्पन्नहोगी। कहानी लेखन की कला छात्रों में विकसित होसकेंगी।

Reference Books:

1. हिंदी कहानी का विकास- मधुरेश, सुमित प्रकाशन
2. 23 हिंदी कहानियां- जैनेन्द्र कुमार, साहित्य अकादमी
3. प्रतिनिधि कहानियां- जैनेन्द्र कुमार, राजपाल एंड सन्स
4. हिंदी कहानी संग्रह- संपादक भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी

PAPER – **हिन्दी कहानी** (HN – 412)

OPEN ELECTIVE

Course Objectives

कहानी पढने से विद्यार्थीयों में साहित्य के प्रति रूचि विकसित हो पाएगा। साथ ही सृजनात्मक शक्ति बढेगा।

Contents

Unit-1: हिन्दी कहानी–परिभाषा एवं स्वरूप, कहानी के प्रकार, कहानी कला।

Unit-2: उसने कहा था– चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, कानो में कंगना– राजाराधिका रमण प्रसाद सिंह।

Unit-3: कफन– प्रेमचंद, पाजेब–जैनेन्द्रकुमार।

Unit-4: चीफ की दावत–भीष्म साहनी, अपना रास्ता लो बाबा– काशीनाथ सिंह।

Course Outcome

छात्रों को हिन्दी कहानीविधा का तात्विक परिचय मिलसकेगा। कहानीविधा के स्वरूप के बारे में छात्र ज्ञान प्राप्त करसकेंगे। हिन्दी कहानी की विकास परम्परा को छात्र समझ सकेंगे। हिन्दी कहानी के प्रकारो के बारे में जानकारी मिलसकेगी। कहानीकारों कों आपस में तुलनाकर के देखने की क्षमता छात्रों में उत्पन्नहोगी। कहानी लेखन की कलाछात्रों में विकसित होसकेंगे।

Reference Books:

1. हिंदी कहानी का विकास- मधुरेश, सुमित प्रकाशन
2. 23 हिंदी कहानियां- जैनेन्द्र कुमार, साहित्य अकादमी
3. प्रतिनिधि कहानियां- जैनेन्द्र कुमार, राजपाल एंड सन्स
4. हिंदी कहानी संग्रह- संपादक भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी

SEMESTER-3

PAPER-XI (HN-501)

आधुनिक हिंदी गद्य विधाएं

Course Objectives

विद्यार्थी गद्य साहित्य में निहित रसमयता, कलात्मकता, भावात्मक और चमत्कारिता को उपलब्ध करपाएगें।

Contents

Unit-1: निबंध- कविता क्या है?-आचार्य रामचंद्र शुक्ल धोखा-प्रताप नारायण मिश्र

Unit-2: कुटज-हजारी प्रसाद द्विवेदी रेखाचित्र: ठकुरीबाबा-महादेवी वर्मा

Unit-3: जीवनी-कलम का सिपाही- अमृत राय आत्मकथा-क्याभूलूंक्या यादकरूं-हरीवंशराय बच्चन

Unit-4: यात्रावृत्तांत-किन्नरदेश की ओर- राहुल सांकृत्यायन रिपोर्ताज: अदम्य जीवन रांगेय राघव

Course Outcome:

छात्रों को आधुनिक गद्यविधाओं के बारे में जानकारी मिलसकेगी। गद्यविधाओं में स्थित सूक्ष्म दृष्टिकोणों को छात्र पहचान सकेंगे। छात्रों में आलोचनात्मक चिंतन-मन नकागुण विकसित होसकेगा। निबंध, रेखा चित्र, संस्मरण, जीवनी आदिलिखने के लिए छात्र प्रोत्साहित होसकेंगे।

Reference Books:

1. हिंदीका गद्यपर्व- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
2. हिंदीगद्य विन्यास और विकास- राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
3. हिंदीका गद्य साहित्य- डॉ. रामचंद्रतिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (मूल्यांकनऔर मूल्यांकन)- खगेंद्र ठाकुर, नीलाभ प्रकाशन

PAPER-XII (HN-503)

हिंदी भाषा

Course Objectives

विद्यार्थी हिन्दी भाषा के विकाश क्रम को वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक जान में सक्षम होगें।

Contents

Unit-1: प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं- वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की प्रमुख विशेषताएं।

Unit-2: मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं- पालि, प्राकृत (शौरसेनी, महाराष्ट्री,अर्धमागधी, अपभ्रंशतथाउनकीविशेषताएं)

Unit-3: आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण, हिन्दी की विविध वोलियां।

Unit-4: देवनागरी लिपिका मान की करण और उसकी प्रमुख विशेषताएं।

Course Outcome

छात्र, हिंदीभाषा के विस्तार को गहराई से जानसकेंगे। हिंदी भाषा की क्रमिक विकास यात्रा को छात्र समझसकेंगे। छात्र, हिंदी के समस्त बोलियों के मध्यस्थित आन्तरिक संबंधों को समझसकेंगे। मानक हिंदी की विशेषताओं के बारे में छात्र ज्ञान प्राप्त करसकेंगे।

Reference Books:

1. भाषाविज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी,लोकभारती प्रकाशन
2. आधुनिक भाषाविज्ञान- डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन
3. हिंदी भाषा इतिहास और स्वरुप- डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन
4. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- ब्रजेश्वर शर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान
5. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र- डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

PAPER-XIII (HN-505)

आधुनिक हिंदी काव्य

Course Objective

विद्यार्थीयों को मानव जीवन के विविध पक्षों एवं उसकी विविध सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

Contents

Unit-1: मैथिली शरण गुप्त– साकेत (नवमसर्ग)
Unit-2: कामायनी (चिंता एवं श्रद्धासर्ग)-जयशंकर प्रसाद
Unit-3: राम की शक्ति पूजा-निराला
Unit-4: उर्वशी (तृतीयसर्ग)-दिनकर असाध्यवीणा, सम्राज्ञी का नैवेद्यदान-अज्ञेय

Course Outcome:

छात्र आधुनिक हिंदी कविता की संवेदनशीलता को आत्मसात कर सकेंगे। छात्रों में समीक्षात्मक चिंतन का विकास हो सकेगा। प्राचीन कथा वस्तुपर आधारित कविताओं को नयी दृष्टि से व्याख्या करने की दक्षता छात्रों में उत्पन्न होगी।

Reference Books:

1. साकेत: एक अध्ययन- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
2. कामायनी एक पुनर्विचार- मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन
3. नीराला की साहित्य साधना (भाग-1,2,3)- राम विलास शर्मा
4. उर्वशी: उपलब्धिऔर सीमा- प्रो. विजेंद्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन
5. छायावाद- नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन
6. अंधेरे में: इतिहास, संरचना और संवेदना- संपादक बच्चन सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन
7. जय शंकर प्रसाद- नंददुलारे बाजपायी, भारतीयभंडार

PAPER-XIV (HN-507)

विशिष्ट प्रश्न–पत्र : प्रेमचंद

Course Objectives

हिन्दी कथा साहित्य को प्रेमचंद के अवदान के वारे में विद्यार्थी अवगत होगें। साहित्य का उद्देश्य मनोरंजन के साथ साथ जीवन की हर समस्यायों पर विचार करना और उसका समाधान प्रस्तुत करना।

Contents

Unit-1: उपन्यास- सेवासदन

Unit-2: उपन्यास- निर्मला

Unit-3: उपन्यास- कर्मभूमि

Unit-4: कहानियां- पंचपरमेश्वर, शतरंज के खिलाड़ी, सवासेरगेहूं, बड़े घर की बेटी, मंत्र, लाटरी, बूढ़ीकाकी, नमक का दारोगा, कफन, सुजान भगत। पूस की रात।

Course Outcome

छात्र प्रेमचंद की गद्य रचनाओं को पढ़कर उस में निहित मानवीय चेतना को आत्मसात करने में सक्षम होसकेंगे। छात्र प्रेमचंद की प्रासंगिक ता के बारे में जानकारी प्राप्तकर सकेंगे। मेहनतक शवर्ग की समस्याओं से छात्र प्रेमचंद की रचनाओं के माध्यम से रुबरु होसकेंगे।

Reference Books:

1. प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद-गंगा प्रसाद विमल
3. प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व –जैनेन्द्र, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद और गोर्की-श्रीमधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को
5. हिन्दी उपन्यास- आचार्य रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

PAPER-XV (HN-509)

हिंदी पत्रकारिता

Course Objectives

विद्यार्थी समाचारों का एकत्रीकरण, लिखना, जानकारी एकत्रीत करके पहुंचाना, संपादित करना और प्रस्तुतीकरण आदि का ज्ञान प्राप्त कर पाएगें।

Contents

Unit-1: हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, पत्रकारिता- स्वरूप एवं विभिन्नप्रकार,

Unit-2: समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन, समाचार लेखनकला, व्यवहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक की संरचना, लीड, एंट्री एवं शीर्षकसंपादन, संपादकीय लेखन,

Unit-3:पृष्ठसज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता फीचर लेखन– स्वरूप और उद्देश्य, मुद्रणकला का सामान्य ज्ञान।

Unit-4: विभिन्न समाचार माध्यमों का स्वरूप, दृश्य- श्रव्य माध्यम- फिल्म, टेलीविजन, वीडियो, टेलीड्रामा

Course Outcome

छात्रों को हिंदी पत्रकारिता के विषय में जानकारी मिलसकेगी। हिंदी पत्रकारिता का इतिहास के बारे में छात्र अवगत होसकेंगे। हिंदी पत्रिकाओं का साहित्य के प्रति क्या योगदान रहा है उसके बारे में छात्र जानकारी पा सकेंगे। जनसंचार-माध्यमों के बारे में छात्र ज्ञान प्राप्तकर सकेंगे। जनसंचार- माध्यमों के बारे में छात्र ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। पत्रकारिता को पढ़ने से छात्र किसी अखबार, टीवी, रेडियो, मैगजीन, वेबसाइट आदि के लिए काम कर सकते हैं ।

Reference Books:

1. भारत में जनसंचारऔर प्रसारण मीडिया- मधुकर लेले, राजकमल प्रकाशन
2. टेलीविजन की भाषा- हरीश बर्णवाल, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी पत्रकारिता- डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ

4. प्रयोजन मूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन

SEMESTER- 4

PAPER-XVI (HN-502)

हिंदी आलोचना

Course Objectives

कवि और उनकी कृति का यथार्थ मूल्य प्रकट करना साथ ही कृति में व्याप्त गुणों और दोषों का उदघाटन करना शिक पाएगें।

Contents

Unit-1: आचार्य रामचंद्र शुक्ल के प्रमुख समीक्षा सिद्धांत-रसदृष्टि और लोक मंगल की अवधारणा।

Unit-2: मानवता वादी समीक्षक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की ऐतिहासिक दृष्टि (आदिकाल और भक्तिकाल के विशेष संदर्भ में)

Unit-3: मार्क्सवादी समीक्षक राम विलास शर्मा-आलोचक-राम विलास शर्मा के प्रमुख समीक्षात्मक प्रतिमान।

Unit-4: आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, यथार्थवाद और अति यथार्थवाद तथा विखंडनवाद।

Course Outcome:

छात्रों में हिंदी आलोचना विधा से संबंधित समझ विकसित होसकेगी। हिंदी आलोचना के क्षेत्र में आलोचकों की विवेचना शक्ति से छात्र रुबरु होसकेंगे। छात्रों में विविध दृष्टिकोणों से सोच पाने की क्षमता उत्पन्नहोगी। छात्र हिंदी आलोचकों की मान्यताओं को तुलनात्मक समीक्षा करसकेंगे।

Reference Books:

1. हिंदी आलोचना- विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
2. हिंदी आलोचना का विकास- नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
3. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना- राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
4. दूसरी परंपरा की खोज- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन

5. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीजशब्द- बच्चनसिंह, वाणी प्रकाशन

PAPER-XVII (HN-504)

प्रयोजन मूलक हिंदी

Course Objectives

विशेष तकनीकी शव्दावली तथा पदावली का ज्ञान प्राप्त करना। सरकारी कार्यालय, मानविकी, विज्ञान, अन्तरिक्ष विज्ञान तथा कम्प्यूटर आदि सम्बधी ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।

Contents

Unit-1: मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, संचारभाषा और संपर्कभाषा।

Unit-2: कार्यालयी हिंदी के प्रमुख प्रकार्य, प्रारुपण, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी

Unit-3: पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा, स्वरूप एवं उसका महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान- विज्ञान के क्षेत्रकी पारिभाषिक शब्दावली।

Unit-4: हिंदीकम्प्यूटिंग, कम्प्यूटरपरिचय, लिंक,ब्राउजिंग, ई.मेल, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।

Course Outcome

छात्रों को प्रयोजन मूलक हिंदी से संबंधित स्थापनाओं का ज्ञान होसकेगा। प्रयोजन मूलक हिंदी की आवश्यकताओं के बारे में छात्र जानसकेंगे। विभिन्न कार्यालयों में प्रयोग में लाई जानेवाली पारिभाषिक शब्दावलियों का ज्ञान होसकेगा। कंप्यूटर में हिंदी का प्रयोग छात्र सीख सकेंगे।

Reference Books:

1. भाषाऔर समाज- राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
2. योजन मूलक हिन्दी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
3. योजन मूलक हिन्दी –डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
4. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग-गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन

5. भाषा आंदोलन- सेठ गोविन्द दास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन
6. प्रतिबद्धता के बावजूद राजेन्द्र कुमार, स्वराज प्रकाशन

PAPER-XVIII (HN-506)

विशिष्ट प्रश्न-पत्र : प्रेमचंद अनुवाद

Course Objective

किसी भाषा में अभिव्यक्त विचारों को दुसरी भाषा में यथावत् प्रस्तुत करने का ज्ञान प्राप्त होगा।

Contents

Unit-1:अनुवाद की परिभाषा, उसका क्षेत्र और सीमाएं
Unit-2: अनुवाद- विज्ञान, कला, शिल्प, अथवा मिश्रितविधा
Unit-3: अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धांत अनुवाद- प्रक्रिया और प्रविधि
Unit-4: अनुवाद प्रमुखप्रकार अनुवाद की समस्याएं, अनुवादकीप्रासंगिकता

Course Outcome

छात्र अनुवाद की प्रासंगिकता को समझस सकेंगे। छात्र अनुवाद के विविध प्रकारों के बारे में ज्ञान पासकेंगे। वैश्वीकरण की दौर में अनुवाद की व्यापकता को छात्र समझसकेंगे। छात्रों में अनुवाद करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।

Reference Books:

1. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा- प्रो.सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन
2. अनुवाद कला- डॉ. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन
3. अनुवाद: सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन
4. अनुवाद प्रक्रिया- रीतारानी पालीवाल, साहित्यनिधि प्रकाशन
5. कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका- गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन

PAPER-XIX (HN-508)

SEMINAR

Course Outcome

छात्रों में अनुसंधान करने की क्षमता विकसित होगी। छात्रों में ब्याख्यान देने की क्षमता विकसित होगी। *किसी एक विषयपर लगभग 5000 शब्दों में एक संगोष्ठी (Seminar) आलेखलिखना होगा और उसे प्रस्तुत करना होगा।